CRIME & CRIMINAL TRACKING NETWORK AND SYSTEMS

CCTNS NEWSLETTER

मुख्य संपादक- श्री अरूण कुमार, ADG- कानून एवं व्यवस्था
संपादक मण्डल- उ०प्र० पुलिस तकनीकी सेवाएँ, एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और अर्नेस्ट एंड यंग

CRIME & CRIMINAL TRACKING NETWORK AND SYSTEMS

(CCTNS)

अपराध एवं अपराधी खोज **नेटवर्क और**

प्रणाली

(अ. अ. खो. ने. प्रणा.)

संक्षिप्त विवरण

अ. अ. खो. ने. प्रणा. (CCTNS) प्रोजेक्ट के अंतर्गत पूरे देश में लगभग 14,000 पुलिस थानों और 6000 उच्च कार्यालयों जिसमें जनपद, रेंज, जोन, पुलिस मुख्यालय, साइंटिफिक एवं टेक्निकल आर्गेनाइजेशन सहित राज्य अपराध रिकार्ड ब्यूरो सम्मिलित हैं तथा जिनमें डाटाबेस जैसे फिंगर प्रिंट ब्यूरो एवं फोरेंसिक लैब जो कि विवेचनाओं एवं अन्य प्रयोजनों को सहायता और सूचना प्रदान करता है, मौजूद हैं उक्त कार्यालयों में 2014 तक इन्हें स्वचालित किया जाना प्रस्तावित है।

संपादक की कलम से

उपयुक्त समय पर सूचना की उपलब्धता पुलिस के कार्य में विशेषतय: अपराध की विवेचना और अपराधियों के पता लगाने और उनकी खोज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रत्येक स्थान पर मौजूद पुलिस संगठन अपराध और अपराधियों से सम्बंधित बड़ी संख्या में विभिन्न सूचनाओं और अभिलेखों की एक बहुत बड़ी संख्या को संभालते हैं। सूचना तकनीक अपराधों की विवेचनाओ और अपराधियों के पता लगाने तथा पुलिस संगठन के अन्य कार्यों के सही और शीघ्र निष्पादन में प्रयुक्त विभिन्न सूचनाओं के अभिलेखीकरण (Documentation), पुनः प्राप्ति, विश्लेषण तथा साझा करने (Sharing) को सुगम बनाकर बहुत अहम् भूमिका निभा सकती है। पुलिस के विभिन्न कार्यों से सम्बंधित सूचनाओं को यथोचित पदाधिकारियों को तत्काल और सही समय पर उपलब्ध कराने से अपराध और अपराधियों को नियंत्रित करके, सम्बंधित परिचालन तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अतिशीघ्र पूर्ण परिवर्तन लाया जा सकता है। अ. अ. खो. ने. प्रणा. के समस्त भागीदारों द्वारा इस प्रणाली में अपराध और अपराधियों के डाटाबेस का अंकीय (Digital) रूप में सृजन (Construction) और अनुरक्षण (Maintenance) तथा साझा (Sharing) करना अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण और शांति व्यवस्था से संबन्धित अनेकों चुनौतियों से प्रभावशाली तरीकों से निपटने के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए समस्त राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषतय: अपराध और अपराधियों से सम्बंधित कार्यों के निष्पादन हेतु आपस में जुडने के लिए इस प्रणाली को अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

श्री अरूण कुमार , ADG- कानून एवं व्यवस्था तथा नोडल अधिकारी (UP CCTNS) का संदेश

विभाग के सभी होनहार पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को पुलिस विभाग में अ. अ. खो. ने. प्रणा. (CCTNS) के रूप में आनेवाली एक नई सुबह के लिए मेरी तरफ से हार्दिक शुभ-कामनाएँ।

आप भलीभांति अवगत ही हैं कि उत्तर प्रदेश राज्य में CCTNS परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा हैं जिसका शुभारम्भ दिनांक 01 जून 2012 को हुआ था। अपने राज्य में इस परियोजना के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हेतु एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज (NIIT Technologies) से अनुबंध हुआ है। एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज द्वारा इस प्रोजेक्ट को अलग-अलग चरणों में आगामी 24 माह में पूर्ण किया जाना है।

माह जून 2012 से तीन जनपदों लखनऊ, मुरादाबाद और गाजीपुर में इस परियोजना को प्रायोगिक परियोजना (Pilot Project) के रूप में शुभारम्भ किया गया और तब से इस पर कार्य करते हुए माह जनवरी 2013 से इस प्रायोगिक परियोजना को उक्त तीन जनपदों में प्रारम्भ कर दिया गया है। उ० प्र० पुलिस विभाग की ओर से मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि उ० प्र० के 3 जनपदों लखनऊ, मुरादाबाद एवं गाजीपुर के कई थाने सतत सक्रिय (On-Line) हो गए हैं और पूर्ण रूप से क्रियाशील हो जाने के फलस्वरूप इन थानों पर आन-लाइन प्रथम सूचना रिपोर्ट के पंजीकरण का कार्य प्रचलन में आ गया है।

उ० प्र० पुलिस द्वारा जनता को अविलम्ब और सुगमतापूर्वक पुलिस सेवाएँ प्रदान करने तथा पुलिस विभाग को और अधिक क्षमतावान एवं प्रभावशाली बनाने में यह परियोजना सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस महान कार्य को पूर्ण करने के लिए हम सभी को मिलकर इस प्रकार के असंख्य कदम उठाने होंगे जो कि उ० प्र० सहित भारतवर्ष के समस्त पुलिस विभाग की हस्तचालित प्रणाली को स्वचालित प्रणाली में परिवर्तित करने का दूरदर्शितापूर्ण स्वप्न शीघ्र पूर्ण करने में मदद कर सकें। इस दिव्य स्वप्न को शीघ्र साकार करने के लिए उ० प्र० पुलिस तकनीकी सेवायें मुख्यालय (U.P.P.T.S. HQ.) राज्य के समस्त पुलिस कर्मियों को इस महान कार्य में प्रतिभागी बनकर कार्य करने के लिए आमंत्रित एवं प्रोत्साहित करता है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार उक्त तीन प्रायोगिक जनपदों (Pilot Districts) में अभी तक का कार्य सफल हुआ है, उससे भी तीव्रतर गति से शेष तीन चरणों का कार्य उ० प्र० पुलिस विभाग के समस्त पुलिस अधिकारी और कर्मचारीगण मिलकर इस शानदार परियोजना को पूर्ण कर उ० प्र० पुलिस को जनसेवी, क्षमतावान, प्रभावशाली तथा अपराधियों के विरुद्ध और अधिक गतिशील बनाकर अपने राज्य की पुलिस का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

घटनाक्रम (TIMELINES)

कुल अवस्थिति (लोकेशन)/ कार्यालय-	2464
समयावधि-	23 माह , चार चरणों में
प्रथम चरण-	तीन जनपद, 240 स्थान
पूर्ण करने की अवधि-	प्रथम 10 माह
द्वितीय चरण-	34 जनपद, 995 स्थान, अगले 3 माह में
तृतीय चरण-	35 जनपद, 1120 स्थान, अगले 3 माह में
चतुर्थ चरण-	अन्य मुख्यालय, स्पेशल यूनिट, पुलिस थाने, पुलिस अधीक्षक, GRP कार्यालय तथा GRP थाने, अगले 2 माह में, शेष बचे कार्यालय अगले 4 माह में। केस सेंटर (कोर एपलीकेशन सॉफ्टवेर) के साथ एकीकरण अगले 1 माह में।

CCTNS परियोजना के अंतर्गत अब तक का कार्य-कलाप (मई 2013 तक)

- एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज ने प्रणाली समाकलक (System Integrator) के रूप में दिनांक 1 जून, 2012 से CCTNS का कार्यान्वयन किया है।
- बेसिक कंप्यूटर (Basic Computer) प्रशिक्षण का कार्य सभी जिलों में अगस्त, 2012 से नियमित रूप से जारी है। कुल 60163 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाना है, जिसमें से 23345 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह प्रशिक्षण 87 प्रशिक्षण स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है। सभी स्थानों पर बेसिक कंप्यूटर (Basic Computer) प्रशिक्षण पूरा हो चुका है; भूमिका आधारित (Role Based) प्रशिक्षण, प्रणाली प्रशासन (System Administration) एवं समस्या निवारण (Troubleshooting) प्रशिक्षण जारी है।
- पायलट जिलों (लखनऊ, मुरादाबाद तथा गाजीपुर) में भूमिका आधारित (Role Based) प्रशिक्षण एवं समस्या निवारण (Troubleshooting) प्रशिक्षण पूरा किया गया है।
- पुलिस कार्मिकों को अ. अ. खो. ने. प्रणा. (CCTNS) के प्रति सुगम्यता के प्रयोजन से परिवर्तन प्रबंधन (Change Management) कार्यशालाओं का आयोजन 71 जिलों और 18 क्षेत्रों में किया गया।
- राज्य डाटा केंद्र में आईटी बुनियादी ढांचा (Site Preparation) स्थापित किया गया और दिसंबर, 2012 में इसे संचालित किया गया।
- पायलट जिलों में स्थित थानों, प्रशिक्षण केन्द्रों, उच्च कार्यालयों एवं पुलिस अधिकारियों को राज्य डाटा केन्द्र (State Data Centre) के साथ जोड़ा गया।
- पिछले 10 वर्षों के आपराधिक रिकार्डों को डिजिटाइज किया जा रहा है। लखनऊ, मुरादाबाद, गाजीपुर, कानपुर नगर, बाराबंकी, इलाहाबाद, सीतापुर, बांदा, सोनभद्र जनपदों में डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। कुल 311250 (15%) रिकार्डों का डिजिटाइजेशन हो चुका है।
- 722 (37%) स्थानों का सर्वेक्षण (Site Survey) किया जा चुका है और 656 (33%) स्थलों पर आईटी बुनियाद ढांचा (Site Preparation) तैयार है।

CCTNS के आगामी कार्य-कलाप

- द्वितीय चरण एवं तृतीय चरण के जिलों में समस्या निवारण (Troubleshooting) प्रशिक्षण, प्रणाली प्रशासन (System Administrationt) और प्रशिक्षकों प्रशिक्षण (Train the Trainer Training) का कार्य पूरा करना।
- दूसरे वर्ष के लिए, सभी जिलों में परिवर्तन प्रबंधन (Change Management) कार्यशाला का आयोजन करना।
- तृतीय चरण के जिलों में आईटी बुनियादी ढांचों (Site Preparation) का काम पूरा किया जाएगा।
- आंकड़ा प्रविष्टि (Data Entry) और पायलट जिलों को इनका हस्तांतरण (Migration)।
- तृतीय चरण के स्थानों में स्थल निर्माण का काम शुरू किया जाएगा।
- समस्त पायलट जिला स्थानों में नेटवर्क कनेक्टिविटी के लिए BSNL से समन्वय स्थापित करना।

आप CCTNS परियोजना से संबन्धित मुख्य जानकारी निम्न साइटों पर भी प्राप्त कर सकते हैं-

http://facebook.com/cctnsup
http://twitter.com/cctns_up

हम अपने पाठकों के विचार और सुझावों का स्वागत करते हैं। हमें **nodalofficer.upcctns@nic.in** पर ईमेल करके उन मुख्य तथ्यों से अवगत कराएं जिन्हें आप अगले न्यूजलेटर में शामिल करना चाहते हैं।

किसी भी प्रकार की CCTNS संबंधित मदद के लिए हेल्पलाइन (Helpline) फोन नंबर पर संपर्क करें- NIIT -**1800 3000 5050**, एवं BSNL -**198** (केवल BSNL CDR)

या

ईमेल करें- **up-ccctns.helpdesk@upcctns.gov.in**